

तेरे बिना कोई सुने ना बाबोसा भजन



तेरे बिना कोई सुने ना,
किससे कहूँ बाबोसा मेरी वेदना,
राह नजर आये ना,
तेरे बिना कोई सुने ना।bd।

तर्ज – तेरे बिना जिया जाये ना।

दर दर की ठोकरे खाती फिरू,
इस जमाने से गम ही पाऊँ,
स्वार्थ के रिस्तो को कैसे निभाऊँ,
झूठा ये जमाना,
तेरे बिना कोई सुने ना।bd।

रहमत तेरी जो न होगी,
जिन्दगी मेरी बोझ सी होगी,
तुम न सुनो तो किसको सुनाये,
अपना फसाना,
तेरे बिना कोई सुने ना।bd।

तेरे बिना कोई सुने ना,
किससे कहूँ बाबोसा मेरी वेदना,
राह नजर आये ना,
तेरे बिना कोई सुने ना।bd।

गायिका – कविता राजवंश।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365
